

Hall Ticket Number

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Q.B.No.

5	4	1	4	3	2
---	---	---	---	---	---

Booklet Code :

B

Marks : 100

Time : 120 minutes

3TS2

Signature of the Candidate

Signature of the Invigilator

परीक्षार्थिभ्यः सूचनाः

(उत्तरदानात् प्राक् सूचनाः सावधानं पठनीयाः)

1. भवद्भ्यः पृथक् OMR उत्तरपत्रं प्रश्नपत्रपुस्तिकाया सह दीयते । OMR पत्रे उत्तराणाम् अङ्कनार्थमपेक्षितविषयाणां लेखनार्थञ्च तत्र दत्ताः सूचनाः पठनीयाः अनुसरणीयाश्च ।
2. प्रश्नपत्रपुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रस्य च कूटसंख्या समाना अस्तीति अभ्यर्थिभिः द्रष्टव्यम् ।
3. प्रश्नपत्रपुस्तिकायाः उन्मोचनसमनन्तरमेव एते अंशाः अवधेयाः, यथा - (i) प्रश्नपत्रपुस्तिकायाः प्रत्येकस्मिन्नपि पुटे कूटसंख्या (A/B/C/D) समाना स्यात्, (ii) प्रश्नानां क्रमसंख्या (1-100), (iii) पुटानां संख्या, (iv) शुद्धं मुद्रणञ्च । यदि प्रश्नपत्रपुस्तिकायाम् उपर्युक्तांशेषु त्रुटिः भवति, तर्हि परीक्षाप्रारम्भात् पञ्चनिमेषेषु निरीक्षकं संसूच्य, प्राक्तनकूटसंख्यायुक्ता नूतनप्रश्नपत्रपुस्तिका स्वीकरणीया ।
4. परीक्षाप्रकोष्ठे चरवाणी, पेजर, गणकयन्त्रम्, घटी, गणितीयपट्टिकाः इत्यादीनि वैद्युतीयोपकरणानि नानुमन्यन्ते ।
5. प्रत्येकम् अशुद्धम् उत्तरम् अङ्कस्यैकस्य चतुर्थांशम् ($\frac{1}{4}$) अल्पं करिष्यति । यदि प्रश्नः उत्तररहितः त्यज्यते चेत् सः प्रश्नः अङ्कस्यैकस्य चतुर्थांशं ($\frac{1}{4}$) नाल्पं करिष्यति ।
6. OMR उत्तरपत्रे प्रश्नसंख्यामनुसृत्य निर्दिष्टप्रश्नस्य शुद्धं समुचितं वा उत्तरं (1), (2), (3) अथवा (4) इति निर्दिष्टे गोलके कृष्णीकरणीयम् । कस्यापि प्रश्नस्य एकाधिकगोलकेषु कृष्णीकरणेन उत्तरमवैधं भवति ।
7. उत्तरस्य परिवर्तनं नानुमतम् ।
8. प्रश्नपत्रपुस्तिकायां प्रदत्ते निर्दिष्टस्थले एव अतिरिक्तकार्यम् (Rough Work) करणीयम् ।
9. OMR उत्तरपत्रं प्रश्नपत्रपुस्तिकाञ्च निरीक्षकाय दत्वा परीक्षाप्रकोष्ठात् बहिः गन्तव्यम् । यदि OMR उत्तरपत्रं न प्रत्यर्प्यते, तर्हि आपराधिक-अभियोगः भवति ।

अस्यां प्रश्नपत्रपुस्तिकायां शतस्य प्रश्नानां कृते 13 पुटानि, अतिरिक्तकार्याय (Rough Work) पुटद्वयम्, एकं शीर्षकपुटं चाहत्य 16 पुटानि सन्ति ।

3TS2

Booklet Code **B**

SPACE FOR ROUGH WORK

समय: - होराद्वयम्

अङ्काः - 100

सूचना: -

- i) प्रत्येकं प्रश्नस्य कृते एकः अङ्कः । प्रत्येकम् अशुद्धम् उत्तरम् अङ्कस्यैकस्य चतुर्थांशम् ($\frac{1}{4}$) अल्पं करिष्यति ।
- ii) अधोनिर्दिष्टानां प्रश्नानां कृते प्रदत्तेषु विकल्पेषु शुद्धं समुचितं वा विकल्पं चित्वा नील / कृष्णवर्णलेखन्या (Blue/Black Ball Point Pen) पृथक्तया प्रदत्ते OMR उत्तरपत्रे निर्दिष्टप्रश्नसंख्यायाः पुरतः विद्यमानेषु गोलकेषु 1, 2, 3 अथवा 4 गोलकं कृष्णीकरणीयम् ।

1. अधोनिर्दिष्टमहाकाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|------------------|-------------|
| i) रावणवधम् | क) पाणिनिः |
| ii) बुद्धचरितम् | ख) भट्टिः |
| iii) पातालविजयम् | ग) माघः |
| iv) शिशुपालवधम् | घ) अश्वघोषः |

उत्तरक्रमः

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) i-ख ii-घ iii-क iv-ग | (2) i-ख ii-क iii-ग iv-घ |
| (3) i-क ii-ख iii-घ iv-ग | (4) i-घ ii-ग iii-क iv-ख |

2. अधोनिर्दिष्टलघुकाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|---------------------|----------------------|
| i) भामिनीविलासः | क) शङ्कराचार्याः |
| ii) पादुकासहस्रम् | ख) मधुसूदनसरस्वती |
| iii) आनन्दमन्दाकिनी | ग) जगन्नाथपण्डितराजः |
| iv) सौन्दर्यलहरी | घ) वेदान्तदेशिकः |

उत्तरक्रमः

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) i-क ii-ग iii-घ iv-ख | (2) i-ग ii-घ iii-ख iv-क |
| (3) i-ख ii-ग iii-घ iv-क | (4) i-घ ii-ग iii-ख iv-क |

3. अधोनिर्दिष्टसन्देशकाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|----------------|------------------|
| i) पवनदूतम् | क) विक्रमकविः |
| ii) हंससन्देशः | ख) कालिदासः |
| iii) मेघदूतम् | ग) वेदान्तदेशिकः |
| iv) नेमिदूतम् | घ) वादिचन्द्रः |

उत्तरक्रमः

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) i-घ ii-क iii-ग iv-ख | (2) i-घ ii-ग iii-ख iv-क |
| (3) i-ख ii-क iii-ग iv-घ | (4) i-घ ii-ग iii-क iv-ख |

4. अधोनिर्दिष्टैतिहासिककाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|-------------------------|--------------------|
| i) नवसाहसाङ्कचरितम् | क) नयचन्द्रसूरी |
| ii) विक्रमाङ्कदेवचरितम् | ख) जोनराजः |
| iii) हम्पीरमहाकाव्यम् | ग) पद्मगुप्तपरिमलः |
| iv) पृथ्वीराजचरितम् | घ) बिल्हणः |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (2) i-ख | ii-घ | iii-ग | iv-क |
| (3) i-ग | ii-घ | iii-ख | iv-क |
| (4) i-ग | ii-घ | iii-क | iv-ख |

5. अधोनिर्दिष्टगद्यकाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|--------------------|-----------------|
| i) तिलकमञ्जरी | क) वामनभट्टबाणः |
| ii) वासवदत्ता | ख) दण्डी |
| iii) दशकुमारचरितम् | ग) धनपालः |
| iv) वेमभूपालचरितम् | घ) सुबन्धुः |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-क | ii-ग | iii-घ | iv-ख |
| (2) i-घ | ii-क | iii-ग | iv-ख |
| (3) i-ग | ii-घ | iii-ख | iv-क |
| (4) i-घ | ii-ग | iii-ख | iv-क |

6. अधोनिर्दिष्टचम्पूकाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|--------------------|--------------------|
| i) दमयन्तीचम्पूः | क) सोमदेवसूरिः |
| ii) यशस्तिलकचम्पूः | ख) सोड्डलः |
| iii) जीवन्धरचम्पूः | ग) त्रिविक्रमभट्टः |
| iv) उदयसुन्दरी कथा | घ) हरिचन्द्रः |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-ग | ii-क | iii-घ | iv-ख |
| (2) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (3) i-घ | ii-ख | iii-ग | iv-क |
| (4) i-घ | ii-ग | iii-ख | iv-क |

7. अधोनिर्दिष्टकथाकाव्यानि तत्तत्कर्तृभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|----------------------|-------------------|
| i) पञ्चतन्त्रम् | क) चिन्तामणिभट्टः |
| ii) शुकसप्ततिः | ख) बल्लालदेवः |
| iii) भोजप्रबन्धः | ग) शिवदासः |
| iv) वेतालपञ्चविंशतिः | घ) विष्णुशर्मा |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-ग | ii-घ | iii-क | iv-ख |
| (2) i-घ | ii-ग | iii-क | iv-ख |
| (3) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (4) i-घ | ii-क | iii-ख | iv-ग |

8. अभिज्ञानशाकुन्तल-नाटके नायकः वर्तते ?

- | | | | |
|------------------|--------------|---------------|----------------|
| (1) धीरप्रशान्तः | (2) धीरललितः | (3) धीरोद्धतः | (4) धीरोदात्तः |
|------------------|--------------|---------------|----------------|

9. “सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यम्” कस्य कथनमस्ति ?

- | | | | |
|-----------------|-------------|---------------|------------|
| (1) दुष्यन्तस्य | (2) कण्वस्य | (3) माढव्यस्य | (4) मातलेः |
|-----------------|-------------|---------------|------------|

10. ‘एकमेव पात्रं सर्वं नाट्यवस्तु प्रस्तौति’ कुत्र विद्यते ?

- | | | | |
|----------|-------------|----------|--------------|
| (1) डिमे | (2) प्रकरणे | (3) भाणे | (4) व्यायोगे |
|----------|-------------|----------|--------------|

11. “अयमैन्द्रीमुखं पश्य ! रक्तश्चुम्बति चन्द्रमाः ।” अत्र कः अलङ्कारः ?

- | | | | |
|-------------|----------------|--------------|-------------------|
| (1) सन्देहः | (2) समासोक्तिः | (3) सहोक्तिः | (4) परिकरालङ्कारः |
|-------------|----------------|--------------|-------------------|

12. ‘उपमानोपमेयत्वं यदेकस्यैव वस्तुनः’ कः अलङ्कारः ?

- | | | | |
|-----------------|------------|-------------|----------------|
| (1) उत्प्रेक्षा | (2) रूपकम् | (3) अनन्वयः | (4) समासोक्तिः |
|-----------------|------------|-------------|----------------|

13. “विषय्यभेदताद्रूप्यरञ्जनं विषयस्य यद्” - कस्य अलङ्कारस्य लक्षणमिदम् ?

- | | | | |
|-------------|---------------|---------------|-------------|
| (1) दीपकस्य | (2) अनन्वयस्य | (3) सन्देहस्य | (4) रूपकस्य |
|-------------|---------------|---------------|-------------|

14. “लिम्पतीव तमोऽङ्गानि” इत्यत्र कः अलङ्कारः ?

- | | | | |
|-----------------|-----------------|----------------|-----------------|
| (1) उत्प्रेक्षा | (2) अतिशयोक्तिः | (3) दृष्टान्तः | (4) भ्रान्तिमत् |
|-----------------|-----------------|----------------|-----------------|

15. “एकः कृती शकुन्तेषु योऽन्यं शक्रान्न याचते” अत्र कः अलङ्कारः ?

- | | | | |
|---------------|----------------|-----------------|----------------------|
| (1) विनोक्तिः | (2) समासोक्तिः | (3) विशेषोक्तिः | (4) अप्रस्तुतप्रशंसा |
|---------------|----------------|-----------------|----------------------|

16. “अयं प्रमत्तमधुपस्त्वन्मुखं वेत्ति पङ्कजम्” अत्र कः अलङ्कारः ?

- | | | | |
|-----------------------|--------------------|-----------------|----------------|
| (1) भ्रान्तिमदलङ्कारः | (2) स्मृत्यलङ्कारः | (3) उत्प्रेक्षा | (4) दृष्टान्तः |
|-----------------------|--------------------|-----------------|----------------|

17. “पङ्कजं वा सुधांशुर्वेत्यस्माकं तु न निर्णयः” अत्र कः अलङ्कारः ?
 (1) रूपकम् (2) सन्देहः (3) अनन्वयः (4) भ्रान्तिमद्
-
18. निगीर्याध्यवसानतः कः अलङ्कारः स्यात् ?
 (1) रूपकम् (2) उत्प्रेक्षा (3) अतिशयोक्तिः (4) सन्देहः
-
19. वर्ण्यावर्ण्यानां धर्मेक्यं किम् भवति ?
 (1) स्वभावोक्तिः (2) काव्यलिङ्गम् (3) रूपकम् (4) दीपकम्
-
20. “हनूमानब्धिमतरहुष्करं किं महात्मनाम्” अत्र कः अलङ्कारः ?
 (1) अतिशयोक्तिः (2) अर्थान्तरन्यासः (3) अप्रस्तुतप्रशंसा (4) अनन्वयः
-
21. नासदीयसूक्तस्य द्रष्टा कः ?
 (1) विश्वामित्रः। (2) कश्यपः।
 (3) प्रजापतिः परमेष्ठी। (4) सुकीर्तिः।
-
22. “नाहं विन्दामि कितवस्य भोगम्” - इति मन्त्रपादे “कितव”शब्दस्य कोऽर्थः ?
 (1) द्यूतव्यसनी (2) मन्त्रद्रष्टा (3) देवता (4) पालकः
-
23. ऐतरेयब्राह्मणं कस्य वेदस्य ब्राह्मणम् ?
 (1) अथर्ववेदस्य (2) सामवेदस्य (3) यजुर्वेदस्य (4) ऋग्वेदस्य
-
24. अधोनिर्दिष्टोपनिषत्सु का कस्य वेदस्य उपनिषदिति दत्तेषु उत्तरक्रमेषु समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ?
 i) केनोपनिषत् क) कृष्णयजुर्वेदस्य
 ii) कठोपनिषत् ख) सामवेदस्य तलवकारशाखायाः
 iii) प्रश्नोपनिषत् ग) ऋग्वेदस्य
 iv) ऐतरेयोपनिषत् घ) अथर्ववेदस्य
 उत्तरक्रमाः
 (1) i-क ii-ख iii-ग iv-घ
 (2) i-ख ii-क iii-घ iv-ग
 (3) i-घ ii-ग iii-ख iv-क
 (4) i-ग ii-ख iii-क iv-घ
-
25. आर्षी छन्दोवर्गे गायत्रीछन्दसि चतुर्षु पादेषु प्रतिपादं कति अक्षराणि भवन्ति ?
 (1) 5 (2) 7 (3) 6 (4) 9

26. निरुक्तग्रन्थस्य कर्ता कः ?
 (1) दुर्गाचार्यः (2) वल्लभाचार्यः (3) यास्काचार्यः (4) कात्यायनः
-
27. वाजसनेयिशुक्लयजुःप्रातिशाख्यस्य कर्ता कः ?
 (1) शौनकः (2) कात्यायनः (3) ताण्ड्यः (4) कश्यपः
-
28. नारदीयशिक्षा कस्य वेदस्य शिक्षा ?
 (1) यजुर्वेदस्य (2) अथर्ववेदस्य (3) ऋग्वेदस्य (4) सामवेदस्य
-
29. “शाङ्खायनारण्यकम्” केन वेदेन सम्बद्धः ?
 (1) ऋग्वेदेन (2) सामवेदेन (3) यजुर्वेदेन (4) अथर्ववेदेन
-
30. उपवेदेषु अयं नास्ति ?
 (1) आयुर्वेदः (2) धनुर्वेदः (3) पञ्चमवेदः (4) गान्धर्ववेदः
-
31. वाल्मीकिरामायणस्य पंचमकाण्डस्य नामास्ति -
 (1) अरण्यकाण्डः (2) किष्किन्धाकाण्डः (3) सुन्दरकाण्डः (4) उत्तरकाण्डः
-
32. महाभारतस्य प्रभावः कस्योपरि नास्ति ?
 (1) कालिदासस्य (2) भारवेः (3) माघस्य (4) वाल्मीकेः
-
33. “यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्” पद्यखण्डः कुत्रत्यः ?
 (1) रामायणस्थः (2) महाभारतस्थः (3) कालिदासकाव्यस्थः (4) माघकाव्यस्थः
-
34. रामायणस्य बीजभूतः श्लोकः अस्ति ।
 (1) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि । (2) मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वती समाः ।
 (3) स्नेहं दयां च सौख्यं च यदि वा जानकीमपि । (4) उत्पत्तिपरिपूतायाः किमस्याः पावनान्तरैः ।
-
35. वाल्मीकिरामायणाधारित-उपजीव्यकाव्यं नास्ति -
 (1) प्रतिमानाटकम् (2) कुन्दमाला (3) उत्तररामचरितम् (4) मुद्राराक्षसम्
-
36. नैषधीयचरितस्य उपजीव्यकाव्यमस्ति -
 (1) रामायणम् (2) महाभारतम् (3) भागवतपुराणम् (4) श्रीमद्भागवतपुराणम्
-
37. अहल्योद्धारः कस्मिन् काण्डे वर्तते -
 (1) बालकाण्डे (2) अयोध्याकाण्डे (3) अरण्यकाण्डे (4) सुन्दरकाण्डे
-
38. महाभारतस्य अङ्गिरसः -
 (1) वीररसः (2) बीभत्सरसः (3) करुणरसः (4) शान्तरसः

39. महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि सावित्री-सत्यवतोः कथा अस्ति -

- (1) आदिपर्वणि (2) सभापर्वणि (3) वनपर्वणि (4) विराटपर्वणि

40. महाभारते श्रीमद्भगवद्गीता वर्तते -

- (1) भीष्मपर्वणि (2) शान्तिपर्वणि (3) उद्योगपर्वणि (4) द्रोणपर्वणि

41. अधोनिर्दिष्टरूपक-रूपककर्तृणां समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|------------------------|-------------|
| i) दूतवाक्यम् | क) शूद्रकः |
| ii) मृच्छकटिकम् | ख) कालिदासः |
| iii) मालतीमाधवम् | ग) भासः |
| iv) मालविकाग्निमित्रम् | घ) भवभूतिः |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-घ | ii-ग | iii-ख | iv-क |
| (2) i-ग | ii-क | iii-घ | iv-ख |
| (3) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (4) i-ग | ii-क | iii-ख | iv-घ |

42. अधोनिर्दिष्टभासरूपकाणां यथाक्रमं कथावस्तुमूलनिरूपणं कुरुत ।

- | | |
|----------------------------|---------------|
| i) पञ्चरात्रम् | क) उत्पाद्यम् |
| ii) प्रतिमानाटकम् | ख) महाभारतम् |
| iii) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् | ग) रामायणम् |
| iv) अविमारकम् | घ) बृहत्कथा |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-ख | ii-ग | iii-घ | iv-क |
| (2) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (3) i-घ | ii-ग | iii-ख | iv-क |
| (4) i-क | ii-ग | iii-ख | iv-घ |

43. अभिज्ञानशाकुन्तले कण्वमहर्षेः द्वयोः शिष्ययोः नामनी के ?

- | | |
|-------------------------|-----------------------------|
| (1) कुशः लवश्च | (2) गोतममतङ्गौ |
| (3) चारुशीलः चारुकेशश्च | (4) शार्ङ्गरवः शारद्वत्तश्च |

44. “पुराणमित्येव न साधु सर्वं
न चापि काव्यं नवमित्यवद्यम् ।”
कस्माद्रूपकात् उद्धृतमिदम् वाक्यम् ?
(1) मालविकाग्निमित्रात् (2) मृच्छकटिकात्
(3) मुद्राराक्षसात् (4) मालतीमाधवात्
-
45. “हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः” - कस्य वचनमिदम् ?
(1) युधिष्ठिरस्य (2) वनेचरस्य (3) भीमस्य (4) द्रौपद्याः
-
46. “स्वस्था भवन्तु मयि जीवति धार्तराष्ट्राः” इति भीमसेनवचनेषु “धार्तराष्ट्राः” इति शब्दस्य कः अर्थः ?
(1) धृतराष्ट्रस्य पूर्वजाः (2) धृतराष्ट्रः एव
(3) धृतराष्ट्रस्य मन्त्रिणः (4) धृतराष्ट्रस्य पुत्राः
-
47. अधोनिर्दिष्टानां पात्राणां रूपकाणां च यथाक्रमं योजनं कुरुत ।
i) कण्वः क) वेणीसंहारम्
ii) राक्षसः ख) मृच्छकटिकम्
iii) शकारः ग) मुद्राराक्षसम्
iv) चार्वाकः घ) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
उत्तरक्रमः
(1) i-क ii-ख iii-ग iv-घ
(2) i-घ ii-ग iii-क iv-ख
(3) i-घ ii-ग iii-ख iv-क
(4) i-क ii-ख iii-घ iv-ग
-
48. अधोनिर्दिष्टानां राज्ञां रूपकाणां च समीचीनम् उत्तरक्रमं सूचयत ।
i) युधिष्ठिरः क) महावीरचरितम्
ii) कर्णः ख) वेणीसंहारम्
iii) जीमूतवाहनः ग) कर्णभारम्
iv) श्रीरामः घ) नागानन्दम्
उत्तरक्रमः
(1) i-ग ii-ख iii-घ iv-क
(2) i-घ ii-ग iii-ख iv-क
(3) i-क ii-ख iii-ग iv-घ
(4) i-ख ii-ग iii-घ iv-क

49. वासवदत्ताहस्ते यौगन्धरायणेन “सागरिका” इति नाम्ना निक्षिप्ता कन्या का ?
- (1) सिंहलराजपुत्री रत्नावली (2) मगधराजपुत्री पद्मावती
(3) मद्रराजसुता सुमतिः (4) कोसलेश्वरदुहिता कल्याणी
-
50. अधोनिर्दिष्टरूपकाणां तद्रतपात्राणां च योजनं कृत्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।
- i) पद्मावती क) नागानन्दम्
ii) शर्विलकः ख) वेणीसंहारम्
iii) शङ्खचूडः ग) स्वप्नवासवदत्तम्
iv) रुधिरप्रियः घ) मृच्छकटिकम्
- उत्तरक्रमः
- (1) i-घ ii-क iii-ग iv-ख
(2) i-क ii-ख iii-ग iv-घ
(3) i-घ ii-ग iii-ख iv-क
(4) i-ग ii-घ iii-क iv-ख
-
51. ‘चार्थे द्वन्द्वः’ अत्र चकारस्य कति अर्थाः ?
- (1) चत्वारः (2) पञ्च (3) षड् (4) सप्त
-
52. ‘इतिहरि’ कस्य उदाहरणम् ?
- (1) विभक्तिः (2) समृद्धिः (3) शब्दप्रादुर्भावः (4) सादृश्यः
-
53. सङ्ख्यापूर्वः _____ ?
- (1) द्विगुः (2) कर्मधारयः (3) द्वन्द्वः (4) केवलः
-
54. “प्राचार्यः” इत्यत्र कः समासः ?
- (1) द्वन्द्वः (2) तत्पुरुषः (3) अव्ययीभावः (4) बहुब्रीहिः
-
55. समाहारे द्विगुर्द्वन्द्वश्च _____ स्यात् ।
- (1) पुल्लिङ्गम् (2) स्त्रीलिङ्गम् (3) उभयलिङ्गम् (4) नपुंसकलिङ्गम्
-
56. पञ्च गावो धनं यस्य -
- (1) पञ्चगवम् (2) पञ्चगवधनः (3) पञ्चगङ्गम् (4) पञ्चगवधनाः
-
57. ‘कृत्तद्धितसमासैकशेषसनाद्यन्तधातुरूपाः’ - भवन्ति -
- (1) विग्रहः (2) समासः (3) वृत्तयः (4) वाक्यम्

58. 'पीताम्बरम्' अत्र कः समासः ।
 (1) बहुव्रीहिः (2) द्वन्द्वः (3) केवलः (4) कर्मधारयः
-
59. 'पितरौ' इत्यत्र कः समासः ?
 (1) द्वन्द्वः (2) तत्पुरुषः (3) अव्ययीभावः (4) बहुव्रीहिः
-
60. त त ज ग ग - इति क्रमे गणयुक्तं वृत्तं किम् ?
 (1) इन्द्रवृत्तम् (2) इन्द्रवज्रा (3) ऐन्द्रीमुखम् (4) ऐन्द्री
-
61. ज त ज र गणयुक्तं वृत्तम् किम् ?
 (1) वंशस्थवृत्तम् (2) वंशीनादः (3) खलीवृत्तम् (4) वंशीखः
-
62. 'किरीटे निशीशो ललाटे हुताशः' - अत्र किम् वृत्तं प्रयुक्तम् ?
 (1) इन्द्रवज्रा (2) वंशस्थम् (3) भुजङ्गप्रयातम् (4) उपेन्द्रवज्रा
-
63. वसन्ततिलकावृत्ते के गणाः सन्ति ?
 (1) न ज भ ज ग ग (2) त भ ज ज ग ग
 (3) भ र न भ ग ग (4) म र न य ग ग
-
64. शिखरिणी वृत्ते के गणाः सन्ति ?
 (1) य म न स भ ल ग (2) म र न म र ल ग
 (3) य र त भ ज ल ग (4) भ ज स म न ल ग
-
65. भाषायाः मूलतमः संघटकः -
 (1) वर्णाः (2) शब्दः (3) ध्वनिः (4) मात्रा
-
66. भाषोत्पत्तिविषये प्लेटो महोदयस्य कः सिद्धान्तः ?
 (1) रणनसिद्धान्तः (2) प्रकृतिसिद्धान्तः (3) धातुसिद्धान्तः (4) सङ्केतसिद्धान्तः
-
67. 'संस्कृतम्' कस्य परिवारस्य मुख्यभाषाऽस्ति ?
 (1) यूरोपीय- (2) भारोपीय- (3) यूनानी- (4) चीनी-
-
68. 'संस्कृत-भकारस्य' अवेस्तायां किं भवति ?
 (1) वकारः (2) भकारः (3) बकारः (4) लकारः
-
69. शतम् वर्गस्य भाषा नास्ति -
 (1) भारत - इरानी (2) बाल्टो - स्लाविक (3) अल्बानी (4) ग्रीक

70. समीचीनम् उत्तरक्रमं चिनुत -

- | | |
|-------------------------------|-----------|
| i) रामशब्दस्य तृतीयैकवचनम् | अ) रामस्य |
| ii) रामशब्दस्य पञ्चम्येकवचनम् | आ) रामेण |
| iii) रामशब्दस्य षष्ठ्येकवचनम् | इ) रामम् |
| iv) रामशब्दस्य द्वितीयैकवचनम् | ई) रामात् |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-अ | ii-आ | iii-इ | iv-ई |
| (2) i-आ | ii-इ | iii-ई | iv-अ |
| (3) i-आ | ii-ई | iii-अ | iv-इ |
| (4) i-ई | ii-इ | iii-आ | iv-अ |

71. 'इदम्' - शब्दस्य नपुंसकलिङ्गे चतुर्थीविभक्तेः रूपं किम् ?

- | | | | |
|----------|-----------|----------|-------------|
| (1) अनेन | (2) अस्मै | (3) अस्य | (4) अस्मिन् |
|----------|-----------|----------|-------------|

72. समीचीनम् उत्तरक्रमं चिनुत -

- | | |
|------------------------------------|--------------|
| i) मरुत्-शब्दस्य सप्तमीबहुवचनम् | अ) मरुताम् |
| ii) मरुत्-शब्दस्य द्वितीयाबहुवचनम् | आ) मरुत्सु |
| iii) मरुत्-शब्दस्य पञ्चमीबहुवचनम् | इ) मरुद्भ्यः |
| iv) मरुत्-शब्दस्य षष्ठीबहुवचनम् | ई) मरुतः |

उत्तरक्रमः

- | | | | | | | | |
|---------|------|-------|------|---------|------|-------|------|
| (1) i-आ | ii-ई | iii-इ | iv-अ | (2) i-इ | ii-अ | iii-आ | iv-ई |
| (3) i-अ | ii-आ | iii-इ | iv-ई | (4) i-अ | ii-ई | iii-आ | iv-इ |

73. अधोनिर्दिष्टक्रियारूपाणि सम्बद्धधातुभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|-------------|-----------|
| i) भवति | क) रुध् |
| ii) पश्यति | ख) डुकृञ् |
| iii) करोति | ग) दृशिर् |
| iv) रुणद्धि | घ) भू |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-ख | ii-क | iii-घ | iv-ग |
| (2) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (3) i-ग | ii-घ | iii-क | iv-ख |
| (4) i-घ | ii-ग | iii-ख | iv-क |

74. अधोनिर्दिष्टक्रियापदानि सम्बद्धधातुभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|--------------|---------|
| i) तोत्स्यति | क) उच् |
| ii) एति | ख) तुद् |
| iii) ऐहिष्यत | ग) इण् |
| iv) ओचिता | घ) ईह् |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-क | ii-ग | iii-ख | iv-घ |
| (2) i-ख | ii-घ | iii-ग | iv-क |
| (3) i-ख | ii-ग | iii-घ | iv-क |
| (4) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |

75. अधोनिर्दिष्टानि क्रियापदानि सम्बद्धधातुभिः योजयित्वा समीचीनमुत्तरक्रमं चिनुत ।

- | | |
|--------------|-----------|
| i) अत्ति | क) चुर् |
| ii) अदात् | ख) अद् |
| iii) जेष्यति | ग) डुदाञ् |
| iv) चोरयति | घ) जि |

उत्तरक्रमः

- | | | | |
|---------|------|-------|------|
| (1) i-घ | ii-ग | iii-ख | iv-क |
| (2) i-ख | ii-ग | iii-घ | iv-क |
| (3) i-क | ii-ख | iii-ग | iv-घ |
| (4) i-ख | ii-क | iii-ग | iv-घ |

76. प्रातिपदिकसंज्ञा कस्य ?

- | | | | |
|-----------|----------------|---------------|--------------------|
| (1) धातोः | (2) प्रत्ययस्य | (3) कृदन्तस्य | (4) अनुकरणात्मकस्य |
|-----------|----------------|---------------|--------------------|

77. नपुंसकलिङ्गे किं पदम् ?

- | | | | |
|----------|----------|-----------|-----------|
| (1) अरिः | (2) वारि | (3) हर्ता | (4) करिणी |
|----------|----------|-----------|-----------|

78. “कृत्वा” इति पदं प्रयुज्य साधु वाक्यं लिखत ।

- | | |
|------------------------------------|--------------------------------------|
| (1) पुत्रः पत्रं कृत्वा पठति । | (2) माता क्रोधं कृत्वा हसति । |
| (3) सेवकः ग्रामं कृत्वा निद्राति । | (4) सेवकः कार्यं कृत्वा धनमार्जयति । |

79. गृहे पञ्चजनाः अस्ति । रेखाङ्कितपदस्थाने योग्यं पदं चिनुत ।

- | | | | |
|-----------|-----------|------------|------------|
| (1) अस्तु | (2) सन्ति | (3) स्यात् | (4) वर्तते |
|-----------|-----------|------------|------------|

80. ‘रमु क्रीडायाम्’ घञ् प्रत्ययेन निष्पद्यते -

- | | | | |
|---------|----------|-----------|-------------|
| (1) रमा | (2) रामः | (3) रमेशः | (4) ज्ञानम् |
|---------|----------|-----------|-------------|

81. 'निरीक्ष्य' - इत्यस्मिन् पदे को धातुः कश्च प्रत्ययः -
 (1) ईक्ष् - धातुः व्यत् प्रत्ययः (2) ईक्ष् - धातुः क्यप् प्रत्ययः
 (3) ईक्ष् - धातुः यत् प्रत्ययः (4) ईक्ष् - धातुः ल्यप् प्रत्ययः
-
82. "ध्रुवमपाये अपादानम्" इति सूत्रे अपायः नाम किम् ?
 (1) विश्लेषः (2) दुर्घटना (3) मोक्षः (4) बन्धनम्
-
83. साधकतमं _____ संज्ञं स्यात् ।
 (1) कारकम् (2) करणम् (3) कर्ता (4) कर्म
-
84. "भूभृते" इत्यत्र कः प्रत्ययः ?
 (1) धातु-प्रत्ययः (2) समासान्तप्रत्ययः (3) सुप्प्रत्ययः (4) स्त्रीप्रत्ययः
-
85. "कारकः" इत्यत्र "ण्वुल्" प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे अस्ति ।
 (1) कर्तरि (2) कर्मणि (3) भावे (4) करणे
-
86. "देवदत्तः ओदनं पचति" - कर्मणि प्रयोगे परिवर्तनं कुरुत ।
 (1) देवदत्तः ओदनेन पच्यते । (2) देवदत्तः ओदनं पच्यते ।
 (3) देवदत्तेन ओदनं पच्यते । (4) देवदत्तेन ओदनं पचति ।
-
87. "कविना काव्यं क्रियते" - कर्तरि प्रयोगे परिवर्तनं कुरुत ।
 (1) कविः काव्यं करोति । (2) कविना काव्यं करोति ।
 (3) कविना काव्येन क्रियते । (4) कविः काव्येन क्रियताम् ।
-
88. अपठितपूर्वस्य गद्यस्य बोधः केन प्रकारेण भवति ?
 (1) पदानां विभक्तिज्ञानेन (2) प्रातिपदिकार्थज्ञानेन
 (3) पदपदार्थोभयज्ञानेन (4) पदपदार्थोभयज्ञानपूर्वकान्वितवाक्यार्थज्ञानेन
-
89. अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः ।
 चत्वारि तस्य वर्द्धन्ते आयुर्विद्यायशोबलम् ॥
 अस्य श्लोकस्य अयं भावः भवति -
 (1) वृद्धानां सेवया किमपि न प्राप्यते ।
 (2) वृद्धानां सेवया आयुर्विद्यायशोबलानां क्षयः जायते ।
 (3) वृद्धानां सेवया तेषाम् अभिवादनेन च आयुर्विद्यायशोबलानि वृद्धिं गच्छन्ति ।
 (4) वृद्धानां सेवया समयः वृथा जायते ।

90. “महर्षिः” - सन्धिं विघटयत ।
 (1) मह + ऋषिः (2) महा + ऋषिः (3) महः + ऋषिः (4) महत् + ऋषिः
-
91. “भानूदयः” - सन्धिं विघटयत ।
 (1) भानून् + उदयः (2) भानू + दयः (3) भानु + उदयः (4) भानो + दयः
-
92. “प्रष्ठ + ऊहः” - सन्धत्त ।
 (1) प्रष्ठौहः (2) प्रष्ठोहः (3) प्रष्ठ ऊहः (4) प्रष्ठाहः
-
93. “उप + ओषति” - सन्धत्त ।
 (1) उपौषति (2) उपैति (3) औपौषति (4) उपोषति
-
94. “शिवेहि” - सन्धिं विघटयत ।
 (1) शिव + एहि (2) विश + इहि (3) शिव + इहि (4) शिव + ऐहि
-
95. “रामस् + टीकते” - सन्धत्त ।
 (1) रामस्टीकते (2) रामष्ठीकते (3) रामश्टीकते (4) रामःटी + कते
-
96. “अजन्तः” - विघटयत ।
 (1) अच् + न्तः (2) अज + न्तः (3) अच् + अन्तः (4) अच् + जन्तः
-
97. “षट् + मासाः” - सन्धत्त ।
 (1) सष्मासाः (2) संमासाः (3) षंमासाः (4) षष्मासाः
-
98. “कालः + गच्छति” - सन्धत्त ।
 (1) कालो गच्छति (2) कालगच्छति (3) काले गच्छति (4) कालौ गच्छति
-
99. “हरिः + जयति” - सन्धत्त ।
 (1) हरिं जयति (2) हरिजयति (3) हरिर्जयति (4) हरिः चयति
-
100. उत्तरपदार्थप्रधानः समासः -
 (1) बहुब्रीहिः (2) द्वन्द्वः (3) तत्पुरुषः (4) अव्ययीभावः

3TS2

Booklet Code **B**

SPACE FOR ROUGH WORK
